# RESCUE JUNCTION – Koderma

## Project Progress and Renewal – 2021

Pratyush – May 19th, 2021

# Project Background

- Extension of the Rescue Junction project in Gaya – adopting their model
- Objective is to support under-privileged children who are at high risk for trafficking and abuse
- Provide them with basic necessities – food, shelter, education and most-importantly PROTECTION!
- The early intervention approach has proved to be the key to prevent children “disappearing” in to child labor or prostitution
- Rescue Junction has a remarkable record of rehabilitation of these children and reintroducing them to the education system

# Project Highlights

- Support up to 50 children aged between 7 and 17 years and have had over 1600 direct child interventions since April 2019 (59% male and 41% female); Currently there are 32 children at the center – 21 boys, 11 girls

- Before Rescue Junction, these kids survived by collecting/stealing coal and selling petty goods/food or would get abused/trafficked to illicit activities

- Established a small outreach center (state and central government approved) that offers shelter, basic education, support and care; Currently have a staff of 12 people, trained at Gaya; now working full-time in Koderma

- A key part of the process is the toll free 1098 childline number to report suspicions of abuse or for children to call for immediate help and assistance

- Work closely with police and local authorities and inspite of Covid-19, Childline and Rescue Junction have been fully functional (considered as Emergency Services); The office was closed for a few months

# Project Highlights

| Rescue Junction Intervention report from 1st April 2019 to 1st May 2021 | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ***Types of Calls*** | **April 2019 - Oct 2020** | **Nov** | **Dec** | **Jan** | **Feb** | **March** | **April** | **TOTAL** |
| ***I). Interventions*** | | | | | | | | |
| Protection from Abuse | 304 | 13 | 9 | 2 | 18 | 6 | 3 | **355** |
| Medical Help | 201 | 7 | 11 | 8 | 14 | 49 | 126 | **416** |
| Lost Child | 137 | 3 | 0 | 0 | 4 | 19 | 6 | **169** |
| Parents Seeking Help | 82 | 2 | 5 | 1 | 3 | 17 | 21 | **131** |
| Referred by Another CHILDLINE | 25 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 | **28** |
| Child in Conflict with Law | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | **1** |
| Sponsorship | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | **0** |
| Shelter | 307 | 8 | 1 | 0 | 3 | 2 | 5 | **326** |
| *Restoration* (Outside Bihar) | 37 | 2 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | **41** |
| *Restoration* (Inside Bihar) | 115 | 0 | 5 | 8 | 1 | 6 | 1 | **136** |
| ***TOTAL*** | **1209** | **35** | **32** | **20** | **43** | **99** | **165** | **1603** |

# Project Progress amidst Covid-19 since 10/2020

- They have taken all the necessary precautions to prevent Covid-19 spread; had 3 cases (all recovered) and so far everyone is healthy (asymptomatic)
- They have access to masks, sanitizer, soap and hand-wash for all team members and kids; Staff works on rotational shift (limited basis) to maintain social distancing
- Trains are running on a limited basis and so the number of interventions as well as restorations have decreased
- Mostly helping kids of migrant workers and working hard to prevent the trafficking of kids of de-stabilized households – have additional volunteers and collaboration with UNICEF
- Providing food to children of migrant families who have returned to Koderma and have no jobs
- Since October, 25 children restored back to their family; 8 girls and 17 boys, amidst pandemic

MERRY CHRISTMAS
&
Happy New Year-2021
Girls Room
Kitchen

WEL COME
PEOPLE FIRST

Happy New Year-2021
Girls Room

# प्रवासी मजदूरोंको सकुशल घरों तक पहुंचायेगा पीपुल फर्स्ट की टीम : दीपक

गया। यूनिसेफ एवं पीपल फर्स्ट संस्थाके साझा कार्यक्रम सुरक्षित सफर के तहत विभिन्न राज्योंसे वापस लौट रहे प्रवासी मजदूरों, परिवार, बच्चों एवं महिलाओं के सहायता प्रदानकर रही है। इस कार्यक्रमके तहत गया जंक्शनसे गुजरने वाली सभी ट्रेनों से प्रवासियोंकी अनुमानित संख्या दर्ज करने के साथ जरूरतमंद बच्चों एवं महिलाओंके घर वापसीके दौरान होनेवाली समस्यामें मददके लिए 20 स्वेच्छा सेवक 24 घंटे रेलवे चाइल्डलाइनके साथ मिलकर कार्य कर रही है। संस्था द्वारा एक वाहन भी इन बच्चो एवं महिलाओंके मददके लिए 24 घंटे उपलब्ध रहेगी जिससे कोविड से बचावके लिए जागरुकता अभियान भी चलाया गया। शुक्रवार को रेलेवे स्टेशनपर संस्थाके अध्यक्ष दीपक कुमार एवं आरपीएफ निरीक्षक ए एस सिद्दीकीने जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखा कर

रवाना किया, जो शहरमें जागरूकता अभियान चलाएगी। मौकेपर पीपल फर्स्ट के अध्यक्ष दीपक कुमार ने कहा कि इस अभियान में आरपीएफ का काफी सहयोग मिल रहा है। हमलोगों की कोशिश होगी कि बाहर से आनेवाले किसी भी मजदूरों को, भूले भटके बच्चों को सकुशल उनके घर तक पहुंचाया जाय। वहीं श्री आरपीएफ श्री सिद्दीकी ने भी इस कार्य में चाईल्ड लाईनके प्रयास की सराहना करते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिया।


राजा
DATE
8:30 : PA
9:00 : SU
9:30: KI
10:00 : HI
10:30 : PA
11:00 : LA
11:30 : SA
12:00 : DE
12:30 : NO
1:00 : KI
1:30 : RO
2:00 : MI
2:30 : HU
3:00 : DA
3:30 : SO

# प्रवासी मजदूरों को घरों तक पहुंचाने के लिए वाहनों का किया गया शुभारंभ

**जागरण संवाददाता,गया :** कोरोना काल में लॉकडाउन को लेकर यूनिसेफ व रेल चाइल्ड लाइन तथा आरपीएफ के सहयोग से गया जंक्शन पर शुक्रवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जो पूर्व मध्य रेलवे के कुछ चुनिंदा स्टेशनों पर लागू किया गया है। जिसमें गया जंक्शन भी शामिल हैं। इसके तहत जो भी बिहार के प्रवासी मजदूर या उनके बच्चे है। जो दिल्ली मुंबई, बैंगलोर या अन्य बड़े प्रदेशों और महानगरों से वापस बिहार लौट रहे हैं। उनकी गिनती करना और अगर उनको कोई परेशानी है या कोई समस्या है तो उस समस्या का समाधान करना। साथ ही प्रवासियों के खाने-पीने से लेकर उनके घर तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। आरपीएफ इंस्पेक्टर एएस सिद्दीकी ने बताया कि लॉकडाउन को लेकर यूनिसेफ व रेल चाइल्ड लाइन तथा आरपीएफ के सहयोग से बीमार प्रवासी मजदूरों और उनके बच्चों का भी इलाज कराने की योजना है। इस स्कीम के तहत गया जंक्शन पर यूनिसेफ के बीच स्वयंसेवी संस्था चाइल्ड लाइन के 15 स्वयंसेवी एवं रेलवे सुरक्षा बल गया के अधिकारी एवं जवान तैनात किए गए हैं।

**प्रवासी मजदूरों को घर पहुंचाने के लिए किया वाहन की व्यवस्था :** गया जंक्शन पर बिहार लौट रहे प्रवासी मजदूरों और उनके परिवार वालों के लिए यूनिसेफ एवं चाइल्डलाइन द्वारा घर पहुंचाने के वाहन की व्यवस्था किया है। जो गया जंक्शन के सर्कुलेटिंग एरिया में खड़ा है। साथ ही बच्चों की विशेष देखभाल करना अगर उनमें कोई बीमार है, तो उसका इलाज की व्यवस्था करना कोई अपने घर पहुंचने में सक्षम नहीं है। तो उनको घर भेजने की भी व्यवस्था यूनिसेफ एवं चाइल्डलाइन द्वारा की गई है। इसके लिए एक वाहन का भी इंतजाम किया गया है।

**गया जंक्शन पर यूनिसेफ के साथ स्वयंसेवी संस्था चाइल्ड लाइन के 15 स्वयंसेवी एवं रेलवे सुरक्षा बल गया के अधिकारी और जवान हैं तैनात**

गया जंक्शन पर उतरने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए वाहन के शुभारंभ में आरपीएफ इंस्पेक्टर, यूनिसेफ,चाइल्ड लाइन के पदाधिकारी व सदस्य।

### प्रवासी मजदूरों के बच्चों के लिए ड्राई फूड की व्यवस्था

पूर्व मध्य रेलवे के गया जंक्शन पर बिहार लौट रहे प्रवासी मजदूर या उनके बच्चे के लिए खाने-पीने की उत्तम व्यवस्था किया गया है। जिसमें बच्चों के लिए ड्राई फूड जिसमें बिस्किट, ब्रेड, मक्खन आदि की व्यवस्था है यह भी दिए जा रहे हैं। जो भी प्रवासी मजदूर बाहर से बिहार लौट रहे हैं। उनको बिहार में किसी प्रकार की कोई भी दिक्कत या परेशानी अपने घर पहुंचने में ना हो इस बात का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

दैनिक भास्कर

गया भास्कर 08-05-2021

**कवायद जारी** • यूनिसेफ और पीपल फर्स्ट संस्था व आरपीएफ की साझ

# प्रवासियों के बच्चों व महिलाओं के लिए 'सुरक्षित सफर'

सिटी रिपोर्टर | गया सदर

कोविड 19 महामारी के कारण विभिन्न राज्यों में काम बंद होने की वजह से या छोड़कर लौटन वाले प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए यूनिसेफ व पीपल फर्स्ट संस्था ने पहल शुरु की है। गया रेलवे जंक्शन पर उतरने वाले ऐसे प्रवासी मजदूरों के बच्चों व महिलाओं की मदद के लिए 24 घंटे 20 वॉलंटियर ने काम करना शुरु कर दिया है। शुक्रवार को पीपल फर्स्ट संस्था के डायरेक्टर दीपक कुमार व आरपीएफ इंस्पेक्टर एएस सिद्दीकी ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम सुरक्षित सफर की शुरुआत की। दोनों ने जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जो बच्चों की मदद को लेकर व कोविड 19 के प्रति लोगों को जागरूक करेगा। जंक्शन पर तैनात वॉलंटियर प्रवासी मजदूरों के बच्चों व महिलाओं से मदद को लेकर पूछताछ करेंगे। उनके बच्चों को दूध, दवाईओं के अलावे अन्य तरह की मदद पहुंचाएंगे। सूबे में लॉकडाउन लगे रहने के कारण जंक्शन परिसर में एक वाहन प्रवासी के बच्चों व महिलाओं की मदद को लेकर 24 घंटे खड़ी रहेगी।

रेलवे जंक्शन पर खड़ा वाहन।

### यूनिसेफ, पीपल फर्स्ट व आरपीएफ के प्रयास से मदद की हुई शुरुआत

कोविड संक्रमण के कारण बाहर से लौटने वाले प्रवासियों के बच्चों व महिलाओं की मदद को लेकर यूनिसेफ, पीपल फर्स्ट व आरपीएफ द्वारा साझा प्रयास की शुरुआत हुई है। सरकार हर कार्य नहीं कर सकती वह स्वयं सेवी संस्थाओं की मदद लेती है। इसमें रेलवे चाइल्ड लाइन काफी सराहनीय कार्य कर रही है।

एएस सिद्दीकी, आरपीएफ इंस्पेक्टर गया पोस्ट

### ट्रेनो से उतरने वाले प्रवासियों पर रखी जा रही नजर, मदद के लिए तत्पर

ट्रेनों से उतरने वाले प्रवासियों के बच्चों व महिलाओं पर नजर रखी जा रही है। जो भी उन्हें मदद की आवश्यकता है , यूनिसेफ, पीपल फर्स्ट के तहत संचालित रेलवे चाइल्ड लाइन व आरपीएफ की मदद से दूर किया जा रहा है। 11 स्टेशनों पर इसकी शुरुआत हुई है, इसमें गया जंक्शन भी शामिल है।

दीपक कुमार, डायरेक्टर रेलवे चाइल्ड लाइन, गया

गया प्रभात

# अब स्टेशन पर आनेवाले प्रवासी व उनके बच्चों का सहयोग करेगी चाइल्ड लाइन

**स्टेशन पर 20 स्वेच्छा सेवकों की होगी तैनाती**

**गया.** गया रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को यूनिसेफ बिहार एवं पीपल फर्स्ट एजुकेशनल चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष दीपक कुमार ने किया. उन्होंने बताया कि गया रेलवे स्टेशन पर प्रवासी मजदूरों के परिवार,बच्चे व महिलाओं को सहयोग किया जायेगा. कार्यक्रम में रेलवे चाइल्ड लाइन के कर्मचारियों के अलावा 20 स्वेच्छा सेवकों द्वारा 24 घंटे स्टेशन पर आने वाली सभी ट्रेनों के लोगों की संभावित संख्या दर्ज की जायेगी. सुरक्षित घर वापसी में हर संभव मदद दी जायेगी. उन सभी में जरूरत मंद प्रवासियों की बीच, मास्क, सैनिटाइजर, फूड पैकेट इत्यादि का वितरण किया जायेगा. यह कार्यक्रम राज्य के 11 स्टेशनों पर शुरू हुआ है. संस्था की ओर से भूले-भटके, अकेले या बाल मजदूर मिलने की स्थिति में उनकी देखभाल होगी. इसके बाद उनकी सुरक्षित घर वापसी भी होगी. रेलवे चाइल्ड लाइन के समन्वयक रत्ना सेन ने बताया कि सभी स्वेच्छा सेवकों को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए प्रवासी मजदूरों की निगरानी करते हुए खुद की सुरक्षा के बीच सहयता करने की ट्रेनिंग दी गयी.

रथ रवाना करते आरपीएफ व संस्था के सदस्य.

# Budget vs. Expenditure

| PEOPLE FIRST EDUCATIONAL CHARITABLE TRUST BODHGAYA | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| OPERATING BUDGET: Drop in and emergency centre for children in urgent need and distress at Koderma (in INR) | | | | | | |
| | | | Year Two from Aug to May 2021 (Funds sent in Nov FOR Jan till May - 5 months) | | | |
| | | | Requested Budget | Total (INR)/Month | Total (INR)/Year | Spent till March |
| Drop in and emergency centre at Koderma | Salary | Project Manager | 15,000.00 | 71,500.00 | 858,000.00 | 572,000.00 |
| | | Three Worker @ 8600 | 25,800.00 | | | |
| | | Lady Counsellor | 8,600.00 | | | |
| | | Care taker | 4,300.00 | | | |
| | | Night Guard | 4,300.00 | | | |
| | | Security Guard | 4,300.00 | | | |
| | | Cook | 5,400.00 | | | |
| | | Cook assistant | 3,800.00 | | | |
| | House Rent | | | 11,000.00 | 132,000.00 | 88,000.00 |
| | Food Cost | | | 16,050.00 | 192,600.00 | 74,200.00 |
| | Telephone Cost | | | 1,070.00 | 12,840.00 | 9,100.00 |
| | Electricity Bill | | | 1,070.00 | 12,840.00 | 9,460.00 |
| | Travel Cost for Staff for restoration or transfer child to R.J | | | 16,050.00 | 192,600.00 | 90,056.00 |
| | Legal and Stamp papers | | | 3,210.00 | 38,520.00 | 21,000.00 |
| | Administration and Evaluation Cost (Staff travel from Office or Rescue junction) | | | 8,560.00 | 102,720.00 | 85,000.00 |
| | Clothes | | | 4,280.00 | 51,360.00 | 41,150.00 |
| | Miscellaneous | | | 1,070.00 | 12,840.00 | 8,916.00 |
| | Total Running Cost | | | 133,860.00 | 1,606,320.00 | 998,882.00 |
| | FUNDS SENT IN AUG FOR 5 MONTHS TILL DEC | | | | | 666,000.00 |
| | FUNDS SENT IN NOV FOR 5 MONTHS TILL MAY | | | | | 666,000.00 |
| | Total Expenses for 10 months | | | | | 1,332,000.00 |
| | Money left for 2 months | | | | | 333,118.00 |

# Budget – Funds Request 2021

| PEOPLE FIRST EDUCATIONAL CHARITABLE TRUST BODHGAYA - KODERMA RESCUE JUNCTION | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| OPERATING BUDGET: Drop in and emergency centre for children in urgent need and distress at Koderma (in INR) | | | | | | | |
| BUDGET AND FUND REQUEST FOR JUNE 2021 TO MAY 2022 | | | | | | | |
| Requested Budget | | | | Total (INR)/Month | Total (INR)/Year 1 | Total (INR)/Year 2 (Year 1 + 7%) | Total (INR)/Year 3 (Year 2 + 5%) |
| Drop in and emergency centre at Koderma | Salary | Project Manager | 14,000.00 | 66,500.00 | 798,000.00 | 853,860.00 | 896,553.00 |
| | | Three Worker @ 8000 | 24,000.00 | | | | |
| | | Lady Counsellor | 8,000.00 | | | | |
| | | Care taker | 4,000.00 | | | | |
| | | Night Guard | 4,000.00 | | | | |
| | | Security Guard | 4,000.00 | | | | |
| | | Cook | 5,000.00 | | | | |
| | | Cook assistant | 3,500.00 | | | | |
| | House Rent | | | 10,000.00 | 120,000.00 | 128,400.00 | 134,820.00 |
| | Food Cost | | | 15,000.00 | 180,000.00 | 192,600.00 | 202,230.00 |
| | Telephone Cost | | | 1,000.00 | 12,000.00 | 12,840.00 | 13,482.00 |
| | Electricity Bill | | | 1,000.00 | 12,000.00 | 12,840.00 | 13,482.00 |
| | Travel Cost for Staff for restoration or transfer child to R.J | | | 15,000.00 | 180,000.00 | 192,600.00 | 202,230.00 |
| | Legal and Stamp papers | | | 3,000.00 | 36,000.00 | 38,520.00 | 40,446.00 |
| | Administration and Evaluation Cost (Staff travel from Office or Rescue junction) | | | 8,000.00 | 96,000.00 | 102,720.00 | 107,856.00 |
| | Clothes | | | 4,000.00 | 48,000.00 | 51,360.00 | 53,928.00 |
| | Miscellaneous | | | 1,000.00 | 12,000.00 | 12,840.00 | 13,482.00 |
| Total Budget for Running Cost of Rescue Junction at Koderma | | | | 124,500.00 | 1,494,000.00 | 1,598,580.00 | 1,678,509.00 |
| SENT PREVIOUSLY | | | | | 1,212,000.00 | 1,332,000.00 | |
| | | | | | | For 10 months | |